वर्ष :: 33 अंक : 34
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 21 मई, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

चमत्कार... शिवलिंग के चारों ओर आधे घंटे तक घूमता रहा फूल, श्रद्धालु रहे नतमस्तक

बोकारो। सुबह का समय था। मंदिर में भक्तों का आना-जाना शुरू हो गया था। लगभग 50 श्रद्धालु मौजूद भी थे। सभी पूरी आस्था के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा कर रहे थे। इतने में कुछ ऐसा हुआ, जिसने सभी श्रद्धालुओं को अचंभित कर दिया। घटना बोकारो के सेक्टर-12डी स्थित निखिल पारदेश्वर महादेव मंदिर की है। सदाबहार का फूल (लाल घेरे में) एक शमी पत्र के साथ लगभग आधे घंटे तक पारद शिवलिंग की परिक्रमा करता रहा। कई भक्त इस चमत्कारिक क्षण के साक्षी बने। सभी ने पूरी श्रद्धा के साथ महादेव का नमन किया। बता दें कि पारद शिवलिंग का दर्शन व पूजन अपने-आप में दुर्लभ व चमत्कारिक माना जाता है। **फोटो- सुभाष।**

बरस रहे अंगारे

झारखंड में पारा 44 डिग्री पर पहुंचा, झुलसा रही तपिश

प्रातः 10 बजे बोकारो के सिटी सेंटर में पसरा सन्नाटा।

विशेष संवाददाता

रांची/बोकारो : जेठ की प्रचंड गर्मी अब अपने परवान पर है। राज्य के कई जिले लू की चपेट में हैं। अधिकतम तापमान लगभग 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। खबर लिखे जाने तक प्राप्त जानकारी के अनुसार गढ़वा में अधिकतम तापमान सबसे अधिक 43.9 (लगभग 44), देवघर में 43.3, रामगढ़ में 42.3, बोकारो व गिरिडीह में 42.2, सिमडेगा व गोड्डा में 42.1, गुमला में 41.3, खूंटी में 41.5, लोहरदगा में 40.4 लातेहार में 41.1, पश्चिम सिंहभूम में 41.3 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। इसके पूर्व, मेदिनीनगर का तापमान फिर 43 डिग्री पर पहुंच गया था। जबकि, बोकारो समेत कई जिलों में अधिकतम तापमान लगातार लगभग 42 डिग्री पर पहुंचा है।

गर्मी का आलम यह है कि सुबह आठ-नौ बजे के बाद लोगों का अपने घर से निकलना दूभर हो गया है। लू के गर्म थपेड़े सीधे झुलसा रही है। स्थिति ऐसी है मानो आसमान से शोले बरस रहे हों और गर्म हवा अंगारों की हो। मौसम विभाग की मानें, तो अभी इस बला से राहत की गुंजाइश नहीं है। आनेवाले दो-तीन दिनों में अधिकतम तापमान में और बढ़ोत्तरी होगी।

मौसम विभाग के अनुसार आनेवाले दिनों में राज्य के पश्चिमोत्तर और उत्तरी तथा दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं लू (हीट वेव) चलने का अलर्ट है। जबकि, राज्य के पूर्वोत्तर संताल परगना और दक्षिण भाग में कहीं-कहीं आंधी के साथ बूंदाबांदी और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। लोग गर्मी व हीट वेब से बचने के लिए सत्तू, आम का शर्बत, लस्सी, तरबूज, खीरा आदि ठंडे पेय पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। गर्मी के कारण सुबह 9-10 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है। सुबह से ही व्यस्त हो जाने वाली बोकारो की हृदयास्थली सिटी सेंटर में भी 8-9 बजे के बाद सन्नाटा देखा जा रहा है। लोग बहुत जरूरी होने पर निकल भी रहे हैं, तो पूरे एहतियात के साथ। इधर, गर्मी के कारण अस्पतालों में लू प्रभावित मरीजों की तादाद बढ़ गई है। बुखार, सर्दी-खांसी, उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

मौसम विभाग ने जारी किया परामर्श

मौसम विभाग ने गर्मी के प्रकोप को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने का परामर्श जारी किया है। परामर्श में कहा गया है कि इस गर्मी में विशेषकर बच्चों व बुजुर्गों को सीधे धूप से बचने की जरूरत है, ताकि वे डिहाइड्रेशन के शिकार न हो। कहीं-कहीं लू व हीट वेब की स्थिति बन रही है। ऐसे में उच्च तापमान के कारण लोगों को गर्मी से असहजता महसूस हो रही है। दिन के 11 से तीन बजे के बीच घर से निकलने से लोग बचें। घर से निकलने से पूर्व हल्के रंग के ढीले, सूती कपड़े पहनें। सिर **(शेष पेज- 7 पर)**

हौसला महामारी के दौर में डीपीएस बोकारो के छात्र ने दिखाई जीवटता, एनआईडी, यूसीड और निफ्ट में पाई तिहरी कामयाबी

सरगम के तरानों ने बदल दी मयंक की जिंदगी

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : सरगम के सात स्वर हम सभी सुनते हैं और आनंद लेते हैं, पर विपदा की घड़ी में यह किसी के लिए जिंदगी और हौसले का सहारा बन भी जाते हैं, इसका एक और उदाहरण पेश किया है मयंक ने। छरहरी दुबली-पतली काया, माथे पर घने बाल, आंखों पर चश्मा और हल्की दाढ़ी वाले चेहरे पर हमेशा मुस्कान। वक्त ने उसके परिवार की आर्थिक स्थिति चरमरा दी, लेकिन फिर भी उसने न हार मानी और न हौसला खोया। संगीत की अपनी विधा को अपने स्वावलंबन का आधार बनाया। खुद गीत लिखे, उसे संगीत दिया और उसी से पढाई का खर्च जुटाया। अब उसके सपनों और करियर को नई उड़ान मिलने को है। डीपीएस बोकारो के छात्र मयंक परमार (22) की कहानी ऐसी है कि उसने डिजाइनिंग की एक नहीं, तीन-तीन राष्ट्रस्तरीय परीक्षाओं में शानदार सफलता पाई और अब वह डिजाइनिंग इंजीनियर बनने की राह पर निकल चुका है। मयंक को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डिजाइन (एनआईडी) की प्रवेश परीक्षा में आल इंडिया रैंक 9, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) में 18 और आईआईटी के तहत संचालित अंडर ग्रैजुएट कॉमन इंट्रेंस एग्जामिनेशन इन डिजाइन (यूसीईईडी) में रैंक 19 मिले हैं। आईआईटी से डिजाइनिंग में चार-वर्षीय कोर्स पूरा कर अब वह अपने जीवन को नई दशा-दिशा देने के लिए आगे बढ़ चला है।

खुद के लिखे गीतों को संगीत देकर जुटाया पढ़ाई का खर्च, अब बनेगा डिजाइनिंग में दिखाएगा हुनर

पिता का बिजनेस हो गया था चौपट

मयंक के पिता उत्तम कुमार की रामगढ़ में खाद्य वस्तुओं की डीलरशिप चलती थी। चॉकलेट, बिस्किट, मिक्चर आदि के डिस्ट्रीब्यूटर का वह काम करते थे। लेकिन, कोरोना न केवल लोगों की सेहत, बल्कि रोजी-रोटी के लिए भी महामारी साबित हुई। लॉकडाउन में लाखों के सामान रखे-रखे बर्बाद हो गए और उसके पिता का व्यवसाय चौपट हो गया। इसके कारण पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति चरमरा गई। खाने-पीने की भी दिक्कतें होनी लगीं। पिता उत्तम के साथ-साथ मां मीनू सिंह चिंतित रहने लगीं। उस स्थिति में नौजवान मयंक ने हिम्मत न हारी और अपनी काबिलियत के बूते न केवल पढ़ाई का खर्च जुटाया, बल्कि परिवार का भी वह संबल बन उभरा।

8 साल की उम्र से ही सीखा संगीत, 20 से अधिक गीतों की मिली कॉपीराइट

एक खास बातचीत में मयंक ने बताया कि बचपन से ही उसे संगीत में काफी रुचि थी। वह **(शेष पेज- 7 पर)**

– संपादकीय –

ओवैसी के सियासी दांव सपा-बसपा के लिए खतरे की घंटी

काफी समय से यूपी के तमाम चुनावों में किस्मत आजमा रही आम आदमी पार्टी अबकी बार कुछ सीटों पर जीत से गदगद है। आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने बिजनौर, अलीगढ़, मुरादाबाद, अमरोहा, अयोध्या और कौशांबी में जीत दर्ज की है। खासकर सपा नेता आजम खां के गढ़ रामपुर में नगर पालिका अध्यक्ष पद पर आप की सना खानम को जीत हासिल होना काफी कुछ कहता है। इसके साथ ही ओवैसी की पार्टी के एक प्रत्याशी ने भी यहां से जीत हासिल की है। इस चुनाव में सबसे अधिक फजीहत विपक्ष की हुई है। निकाय चुनावों में सपा, बसपा और कांग्रेस के खाते में 17 नगर निगम क्षेत्रों में से एक पर भी जीत नहीं मिलना काफी चौंकाने वाला रहा। हाल यह है कि बड़े-बड़े दावे करने वाले सपा-बसपा के मुकाबले आम आदमी पार्टी ने ज्यादा ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। हालांकि, मेयर सीट आप के खाते में नहीं आई है लेकिन इस बार कई वार्डों में आप के प्रत्याशी जीतने में कामयाब रहे हैं। यही रुख रहा तो अगली बार आप यूपी में बड़ा कमाल दिखा सकती है जो विपक्ष के साथ-साथ भाजपा के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। यूपी के निकाय चुनाव में जिस तरह से आप ने इस बार बड़े पदों पर प्रदर्शन किया है, उससे केजरीवाल की नजर में इस बार यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह का कद भी बढ़ेगा। यूपी में जीती हुई सीटों पर आप दिल्ली मॉडल लागू करेगी। आप की दिल्ली और पंजाब के बाद अब यूपी पर खासतौर से नजर रहेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले समय में आप इन जगहों पर दिल्ली मॉडल लागू करेगी जिसका ऐलान वो पहले ही कर चुकी है। यदि इन जगहों पर आप पांच साल तक जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में कामयाब रही तो निश्चित तौर पर अगले निकाय चुनाव में आप विपक्ष के लिए बड़ा खतरा बनकर उभरेगी। इसके साथ-साथ लोकसभा चुनाव में भी आप का यह प्रदर्शन उसके उत्साहवर्धन का काम करेगा। बात आम आदमी पार्टी के बाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम की की जाए तो यूपी में ओवैसी की पार्टी सपा के लिए नई मुसीबत बनती नजर आ रही है। सपा जिस एम-वाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण को अपना मजबूत आधार समझती थी, उसमें नगरीय निकाय चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने बड़ी सेंधमारी की है। इस चुनाव में मुस्लिम मतदाता सपा से छिटकते नजर आए। मुस्लिम वोटरों ने बसपा, कांग्रेस एवं खासकर एआइएमआइएम को वोट देकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि अब मुस्लिम मतदाता एक खूंटे में बंधकर नहीं रहने वाले हैं। उन्हें जहां भी बेहतर विकल्प नजर आएगा, उसके साथ चले जाएंगे। ऐसे में वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उतरने से पहले सपा को भाजपा के साथ-साथ अब आम आदमी पार्टी और ओवैसी की पार्टी से मुकाबला करने के लिए अपने परंपरागत वोट बैंक को सहेजने के लिए नए सिरे से रणनीति बनानी होगी। सपा के लिए निकाय चुनाव में मिली हार इसलिए भी चिंता का विषय है, क्योंकि निकाय चुनाव को अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले का सेमीफाइनल माना जा रहा था। शहरों की सरकार चुनने वाला यह चुनाव सपा को स्पष्ट संदेश देकर गया है। सियासी पंडितों की मानें तो सपा के साथ-साथ बसपा के लिए भी यूपी में ओवैसी की पार्टी का पैर जमाना शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि पिछले कुछ समय से बसपा सुप्रीमो मायावती मुसलमानों को अपने पक्ष में लाने की जुगत में लगी हुईं थीं, लेकिन सपा से छिटककर मुस्लिम वोटरों ने बसपा से जुड़ने की बजाए ओवैसी की पार्टी के साथ जाना ज्यादा पसंद किया। इसके अलावा चर्चा इस बात की भी हो रही है मुस्लिम वोट बैंक की सियासत में थोड़ी-बहुत ही सही बीजेपी की भी इंट्री हो गई है। अबकी से बीजेपी ने करीब चार सौ मुस्लिम प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे थे, जिसमें से कई जीतने में भी सफल रहे। ऐसा पहली बार हुआ है जब बीजेपी ने सैंकड़ों की संख्या में मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया था, जो उसके लिए सियासी फायदे का सौदा साबित हुआ।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

एक और नोटबंदी 'गुलाबी इतिहास'

केंद्र की मोदी सरकार में सबसे ज्यादा परेशानी अगर किसी को हुई है और हो रही है, तो वो हैं भ्रष्टाचारी और कालेधन के पुजारी। लगभग साढ़े छह साल बाद एक बार फिर नोटबंदी ने कालाधन संजोकर रखनेवालों को उम्मीदों पर दोबारा पानी फेर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से 2000 रुपए का नोट अब चलन में नहीं रहने देने की घोषणा के बाद देश में जगह-जगह कालेधन की बरामदगी की खबरें भी वायरल होने लगी हैं। यह कार्रवाई साबित करती है कि कालाधन जमा करनेवालों की अब खैर नहीं। 8 नवंबर 2016 की नोटबंदी के बाद फिर नोटबंदी हुई है और यह कालाधन रखनेवालों के लिए दूसरा बड़ा झटका है। सोशल मीडिया पर तो इसे लेकर चुटकियां भरे पोस्ट्स भी खूब शेयर हो रहे हैं। बहरहाल, गुलाबी रंग का दो हजारी नोट चार महीने बाद गुलाबी इतिहास रह जाएगा। 30 सितंबर तक ही ये वैधानिक रूप से चलन में बने रहेंगे।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी आदेश के मुताबिक 23 मई से लोग बैंक में 2000 के नोट जमा कर सकेंगे। एक व्यक्ति एक बार में अधिकतम 20 हजार रुपए मूल्य के नोट (2000 के 10 नोट) जमा करवा सकेगा। रिजर्व बैंक के सभी 19 रीजनल ऑफिस में भी नोट वापस किए जा सकेंगे। बैंक अब किसी को भी 2000 रु. के नोट इश्यू नहीं कर सकेंगे। नवंबर 2016 में 500 और 1000 के पुराने नोट बंद करने के बाद 500 के नए नोट और 2000 के नोट जारी किए गए थे। तब आरबीआई ने कहा था कि अर्थव्यवस्था में नकदी की उपलब्धता सुचारू रखने के लिए 2000 के नोट जारी किए गए थे। अब रिजर्व बैंक ने कहा है कि 2000 रुपए के नोट लाने का उद्देश्य पूरा हो गया है। अन्य मूल्यवर्ग के नोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने के बाद 2018-19 में 2000 रुपए के नोटों की छपाई बंद कर दी गई थी।

बता दें कि 2016 की नोटबंदी के बाद आरबीआई ने 370 करोड़ 2000 के नोट प्रिंट किए। इनका मूल्य 7.40 लाख करोड़ रुपए था। तब 500-1000 के 99.3% नोट वापस आ गए थे। 15.41 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 500 और 1,000 के पुराने नोट बैंकों में वापस आ गए थे। सूत्रों के मुताबिक, बड़े नोटों को काले धन के रूप में इकट्ठा करने की जानकारी आने के बाद रिजर्व बैंक ने बड़ा कदम उठाते हुए 2000 रुपए के नोट को बंद करने का ऐलान किया है। इस ऐलान के बाद अब देश के काले कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

दूसरी तरफ पहली नोटबंदी के बाद सबसे ज्यादा नकली नोट 2000 रुपए के ही पाए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में नकली मुद्रा कारोबार और कालाधन के दो निशाने आरबीआई ने इस नोटबंदी के एक तीर से साधे हैं, जिसका परिणाम आर्थिक स्वच्छता के रूप में परिलक्षित होगा।

जाहिर है, कालाधन के खिलाफ यह बड़ी कार्रवाई बहुतों को रास नहीं आएगी, परंतु यह जरूरी है। लूट-खसोट और बेईमानी का धन भला कबतक टिका रहेगा? अब सितंबर के बाद सरकार फिर किसी नए नोट पर विचार करती है या नहीं, अगर करती भी है तो वह कब तक वैध रहेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। इसलिए दो-दो झटकों के बाद अब तो कालेधन वालों को सचेत हो ही जाना चाहिए।

– प्रस्तुति : गंगेश

मैथिली कविता

– शम्भुनाथ –

दलगत दलदलि सं बाहराऊ

बाट घाट चरचा चलि रहलै ई
देश कतय जा रहतै,
नित्य पीठ पर गोदि रहल कहु
कतेक दिवस धरि सहतै।

सत्ता चाह मे आजुक नेता
बिख केर वमन करैये,
देश जाओ बरू गर्त रसातल
धोधरि अपन भरैये।
जकरा सब पर छाप चोरि केर
चोर चोर चिकरैये,
शोणित चहट पड़ल छै जकरा
लोहुक धार तकैये।

संविधान केर दैत दोहाय जाति
धरम विलगावय,
हिन्नू बांटल छोटका बड़का
मुसलिम एक कहाबय।

महादलित आ' दलित दमित
कहि ईशु सैंत रहलये,
बाभन लाला यादव पासी
कुरमी कोइरी कहैये।

हम हिन्नू तजि मुसलिम ईशु
चुल्हिए चूल्हि फराक,
नित्य लड़ाबय जाति जाति
कहि बढबय अपन खोराक।

निकलि दलक दलदलि सं
सोचू की अछि देशक हानि,
जाधरि अपने करब ने चिंतन
बदलि सकब नहि बानि।।

दिवा-स्वप्न थी दामोदर की स्वच्छता, जन-जागरुकता से साकार हुआ सपना

अब इसकी सहायक नदियों को अब प्रदूषणमुक्त बनाने का चलेगा अभियान : सरयू

संवाददाता

बोकारो : दामोदर बचाओ आंदोलन के अध्यक्ष सरयू राय ने कहा कि वर्ष 2004 में दामोदर के अस्तित्व को समझने के लिए एक अभियान की शुरूआत की गई थी। प्रारंभिक काल में दामोदर की स्वच्छता एक दिवास्वप्न था, किंतु धीरे-धीरे आम लोगों की सहभागिता के कारण से अभियान ने गति पकड़ी। दामोदर को प्रदूषित करने वाली अधिकतर सरकारी कंपनियां एवं उद्योग थे, जिनके ऊपर अंकुश लगाना एक कठिन कार्य था। लेकिन, लोगों के दबाव एवं जागरूकता के कारण से बीसीसीएल, सीसीएल, डीवीसी, बीएसएल ने अंकुश लगाना शुरू किया। उद्गमस्थल चूल्हापानी से लेकर संगम स्थल पंचेत तक अभियान अद्यतन चल रहा है। अब हमें दामोदर की सहायक नदियों के संरक्षण एवं स्वच्छता की तरफ जन-अभियान चलाने की आवश्यकता है।

श्री राय ने कहा कि हमें गंगा दशहरा के दिन 30 मई को बोकारो जिला के सभी निर्धारित 23 स्थलों पर आमजन, सम्मानित जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी लोगों को लेकर इस अभियान के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता का कार्यक्रम करने की आवश्यकता है।

दामोदर बचाओ आंदोलन बोकारो जिला की बैठक सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता एवं अभय कुमार मुन्ना के संचालन में सर्किट हाउस बोकारो में संपन्न हुई बैठक को श्री राय संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब दामोदर की सहायक नदियों की स्वच्छता के सघन अभियान में जनसहभागिता भी जरूरी है।

कृषि संरक्षण पर भी अभियान जरूरी : डॉ. लंबोदर महतो

बैठक को संबोधित करते हुए गोमिया के विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि दामोदर की स्वच्छता एक बहुत ही कठिन अभियान था। इसे सरयू राय के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। इस अभियान में हमें भी जनभागीदारी निभाने का मौका मिला है। इससे प्रेरणा लेकर हमें पर्यावरण संरक्षण, जल प्रदूषण के साथ ही साथ कृषि संरक्षण पर ही अभियान चलाकर काम करने की आवश्यकता है। बैठक में दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रदेश संयोजक प्रवीण कुमार सिंह, श्रवण सिंह, समीर गिरि, मुन्ना सिंह, अभिषेक सिंह, सुरेंद्र गिरि, संजय सिंह, कौशल, मनोज कुमार, महेंद्र सिंह, डॉ. सूर्यमणि कुमार, दिलीप राम, अतीश कुमार सिंह, अशोक जगनानी, रामभजन सिंह, राजीव रंजन सिंहा, रामकिंकर माहथा, अशोक कुमार कर्ण, बाल कृष्ण कुमार, गौरीशंकर सिंह, ललित कुमार सिन्हा, अरविंद कुमार, वाल्मीकि प्रसाद सिंह, बालकृष्ण कुमार, अजय चौधरी, विक्रम महतो, रामाधार सिंह यादव, शशिरंजन सिंह, भाई प्रमोद कुमार सिंह, शंकर प्रसाद स्वर्णकार, ओमप्रकाश सिंह उर्फ टीनू सिंह, पंकज कुमार पांडेय, केपी सिंह आदि उपस्थित थे।

आयोजन केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से बोकारो में युवा उत्सव पर चित्र प्रदर्शनी आयोजित

राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती है स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी : पशुपतिनाथ

संवाददाता

बोकारो : केंद्रीय संचार ब्यूरो धनबाद, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा युवा उत्सव के मौके पर नेहरू युवा केंद्र, बोकारो के सहयोग से नगर के सेक्टर-3सी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में चित्र प्रदर्शनी आयोजित की गई। आजादी के अमृत महोत्सव थीम पर आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने किया।

सांसद सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी काफी आकर्षक है। इसमें राज्य के स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जो जानकारी प्रदर्शित की गई है, वह राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करती है। इसके लिए सीबीसी, धनबाद विभाग बधाई का पात्र है। स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनियां राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार करती है।

इसके पूर्व, सांसद महोदय को शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा प्रकाशित न्यू इंडिया समाचार की इस महीने की प्रति भी उन्हें भेंट की गई। इस

दौरान क्रम में संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ओंकार नाथ पाण्डेय ने सांसद को प्रदर्शनी की विशेषताओं के बारे में बताया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए सभी लोगों को न्यू इंडिया समाचार की प्रतियां भी भेंट की गई। मौके पर स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक, सांसद प्रतिनिधि, नेहरू युवा केंद्र बोकारो के जिला युवा अधिकारी गौरव कुमार, सीबीसी धनबाद तकनीकी सहायक राजकिशोर पासवान सहित स्कूल के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इस अवसर पर युवा प्रतिभागियों की ओर से कई आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई। कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से किया गया। संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ओंकार पांडेय ने बताया कि युवा उत्सव के दौरान झारखंड के अन्य क्षेत्रों में भी केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा युवा उत्सव के मौके पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

सभी के सहयोग से ही शुद्ध होगा पर्यावरण : टीटी दास

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन की ओर से शनिवार को डीवीसी अस्पताल और स्वास्तिक अस्पताल में मिशन लाइफ, पर्यावरण के लिए जीवनशैली विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विगत 17 मई से 5 जून तक चलने वाले जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उक्त विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सक, चिकित्साकर्मी एवं स्थानीय लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमहाप्रबंधक (प्रशासन) टीटी दास ने कहा कि पर्यावरण के शुद्धिकरण के लिए हम सबको मिलकर सकारात्मक रूप से पहल करने की जरूरत है। डीवीसी ऐसे कार्य को करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डीवीसी मजबूती से महज इसलिए आगे बढ़ रहा है कि इस संस्थान में कार्यरत लोगों ने अपने संकल्पित कर्तव्य का मजबूती से अनुपालन किया है।

उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में भी ऐसे ही मजबूती के साथ लोग आगे बढ़ते रहेंगे। कार्यक्रम में अस्पताल के कचरा और पानी के प्रबंधन पर चिकित्सकों ने विस्तृत प्रकाश डाला।

इस अवसर पर डॉ. केपी सिंह, डॉ. एके श्रीवास्तव, डॉ एस. हेंब्रम, डॉ. ए. तिग्गा, डॉ. अनुपम सिन्हा, डॉ. सुनंदा मंडल, डॉ. निधि, प्रमोद कुमार झा, एचएम प्रजापति, बसंत महापात्रा आदि ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कचरा प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। समारोह का संचालन रोशन कुमार सिंह ने किया।

पहले अध्यक्ष-उपाध्यक्ष में तकरार, अब डीडीसी पर वार

जिला परिषद में अंदरुनी कलह

कार्यालय संवाददाता
बोकारो : विभिन्न योजनाओं की रूपरेखा तैयार कर उसे धरातल उतार विकास में महती भूमिका निभाने वाली सरकारी इकाई जिला परिषद का बोकारो जिले में इन दिनों सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा। जिला परिषद आपसी गुटबाजी, ईगो-प्रॉब्लम और अंदरूनी कलह के भंवर में बुरी तरह जकड़ चुका है। अध्यक्ष-उपाध्यक्ष में आपसी तकरार के बाद अब डीडीसी पर आरोपों के वार होने लगे हैं। पहले जिला परिषद अध्यक्ष व जिला परिषद उपाध्यक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगा रही थीं। अब दोनों जनप्रतिनिधि मिलकर उपविकास आयुक्त पर फूट डालो, शासन करो की नीति का आरोप लगा रही हैं।

शनिवार को बोकारो परिसदन में गरमा-गरमी और गहमा-गहमी के माहौल में जिप की बैठक हुई। जिप अध्यक्ष सुनीता देवी और उपाध्यक्ष बबीता देवी की आपस में खूब तू-तू, मैं-मैं हुई। दोनों ने एक-दूसरे पर खूब शब्दबाण चलाए। इनकी स्थिति देख अफरा-तफरी सी स्थिति बन गई। मौके की नजाकत को देखते हुए जिप सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत किया। जब दोनों की आपस में बन गई, तो डीडीसी से ठन गई। उसके बाद जिप अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से बैठक की। बैठक के दौरान दोनों ने उपविकास आयुक्त पर आरोप लगाया कि वो बैठक बुलाने में मनमानी कर रही हैं। यही वजह है कि पांच-पांच जिप सदस्यों को अलग-अलग बुलाकर बैठक कर आपस में मतभेद पैदा कर रही हैं। इनकी मनमानी के कारण ग्यारह महीने बाद भी बोर्ड की बैठक नहीं हुई।

कुछ समय पहले तक झड़प करने वाली दोनों नेताओं ने तुरंत ही यू टर्न ले लिया और कहा कि उनदोनों में कोई मतभेद नहीं है। अगर डीडीसी उनलोगों की मांगों पर पहल नहीं करेंगी, तो वे सब मिलकर विरोध करेंगे। इसके तीन दिन पहले ही जिला परिषद के लगभग 22 सदस्यों ने जिप उपाध्यक्ष बबीता देवी के नेतृत्व में सर्किट हाउस में बैठक की थी, जिसकी सूचना तक अध्यक्ष को नहीं दी गई थी। उस दिन जिप अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा था कि डीडीसी के साथ उनकी प्रतिदिन बात होती है। अब दूसरे लोगों के साथ बात नहीं होती है, तो वे समझें। हम विकास संबंधित प्रतिदिन वार्ता करते हैं। जिला परिषद के कार्यों के लिए डीडीसी कोऑपरेट करती है।

इधर, डीडीसी कीर्तिश्रीजी जी. का कहना है कि प्रतिदिन पांच जिला परिषद सदस्यों से तीन-तीन घंटे बात कर उनकी समस्याओं को वह सुनती हैं। दिसंबर के बाद अभी बैठक हो रही है। ऐसे में उन लोगों का यह आरोप निराधार है कि 11 महीने में बैठक हो रही है। जहां तक फोन नहीं उठाने की बात है तो यह सरासर गलत है।

सर्वव्यापी, सर्वज्ञ और प्रेम के प्रतीक हैं भगवान शिव : किशोरी

संवाददाता
बोकारो : जेनामोड़ टांड़बालीडीह में टोल प्लाजा के निकट चल रहे श्री श्री 108 पांचदिवसीय रुद्र महायज्ञ महोत्सव में मंगलवार के पूजन-कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सह झामुमो नेता अनिल अग्रवाल ने फीता काटकर तथा आरती कर किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। महायज्ञ से न सिर्फ सनातन धर्म परंपरा को बल मिलता है, बल्कि वातावरण भी शुद्ध होता है। उन्होंने कहा कि रुद्र महायज्ञ का फल तत्काल मिलता है। इस दौरान आयोजन समिति के लोगों ने श्री अग्रवाल को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। वहीं, चल रहे पांचदिवसीय संगीतमय कथा महायज्ञ के शुभारंभ के बाद वृंदावन से पधारीं सुविख्यात प्रवक्ता बाल विदुषी अंजलि किशोरी जी ने भगवान शिव की महिमा का बखान किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव सर्वव्यापी सर्वज्ञ और प्रेम के प्रतीक हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोहन मुर्मू, दिलीप कुमार सिंह, धीरेंद्र नाथ

गोस्वामी, पवन कुमार, विजय सिंह, मो. फिरोज, अशोक यादव आदि सहित सैकड़ों धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

अपील वनवासी कल्याण केंद्र ने शिशु सम्मेलन के जरिए आदिवासियों को किया जागरूक

धर्म से भटकानेवाले लोगों से रहें सचेत : ईश्वर

संवाददाता
बोकारो : जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत झालबरदा पंचायत के आदिवासी गांव मोदीडीह में वनवासी कल्याण केंद्र, बोकारो जिला समिति द्वारा एक शिशु सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वनवासी कल्याण केंद्र, झारखंड प्रांत के सह संगठन मंत्री सुशील मरांडी, धनबाद विभाग के संगठन मंत्री मदन महतो के अलावा बोकारो जिला समिति के अध्यक्ष शंकर प्रसाद मुर्मू , सचिव दयाल कुमार ईश्वर, संयुक्त सचिव विमल चंद्रा, कोषाध्यक्ष उदयभानु मणि तिवारी एवं महिला सदस्य डॉ. शारदा रानी विशेष रूप से उपस्थित थीं। दीप प्रज्वलन के साथ भारत माता, भगवान बिरसा मुंडा, वनयोगी बाला साहेब देशपांडे जी एवं जगदेव उरांव जी के चित्रों पर पुष्पार्जन करके कार्यक्रम की शुरूआत हुई। अतिथियों के स्वागत में एकल विद्यालय के बच्चों ने भगवान बिरसा मुंडा पर आधारित एक लघु नाटिका एवं आदिवासी बच्चे-बच्चियों द्वारा मनमोहक लोक नृत्य प्रस्तुत किए।

बतौर मुख्य अतिथि सुशील मरांडी ने वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना, इसके उद्देश्य एवं कार्यों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। शंकर प्रसाद मुर्मू ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आदिवासी समाज को अपनी सनातन संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं, रीति रिवाजों को बचाए रखने तथा ईसाई धर्म से सावधान रहने का संदेश दिया।

जिला सचिव दयाल कुमार ईश्वर ने मोदीडीह के वनवासी बंधुओं, परिवारों, बच्चों को विधर्मियों के मकड़जाल से सतर्क रहने और वनवासी कल्याण केंद्र द्वारा चंदनकियारी प्रखंड के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों एवं एकल विद्यालय का भरपूर लाभ उठाने का संदेश दिया। इस क्रम में विमल चंद्र, उदयभान मणि तिवारी एवं डॉ. शारदा रानी ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों का परिचय एवं मंच संचालन मदन महतो एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला सह संगठन मंत्री आलोक माजी ने किया।

इस शिशु सम्मेलन मे चंदनकियारी प्रखंड के आगरडीह, घोड़ागढा, मयूरडुबी, गोरीग्राम, लक्खीपुर, मोदीडीह, नावाडीह, नाकटीटांड़ गांव में संचालित एकल विद्यालय के लगभग 125 बच्चों ने हिस्सा लिया।

हफ्ते की हलचल

व्रतियों ने श्रद्धापूर्वक की वट-सावित्री पूजा

बोकारो : अपने पति की लंबी आयु की कामना को लेकर सुहागिनों ने वट सावित्री पूजा पूरे भक्ति-भाव के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न की। चास-बोकारो के विभिन्न मंदिरों के समीप तथा अन्य जगहों पर स्थित वटवृक्ष में व्रतियों ने पूरी निष्ठा से वट सावित्री पूजा की। अहले सुबह से ही महिलायें सोलहों श्रृंगार से युक्त हो पूरी तरह सज-धजकर अपने-अपने घरों के नजदीकी वटवृक्षों के समीप पहुंचीं। विधिपूर्वक उन्होंने धूप-अगरबत्ती, नैवेद्य, पुष्प, अक्षत, फल, जल आदि समर्पित कर वृक्ष को बांसनिर्मित पंखे झेले तथा पेड़ की परिक्रमा करते हुए उसके तने में मौली लपेटकर व बांधकर अपने अटूट व अमिर सुहाग की प्रार्थना की। पूजा के बाद दिनभर व्रतियों ने अपने केश में वट के पत्ते लगाये। पूजा के बाद उन्होंने अपना उपवास तोड़ा। नगर के सेक्टर-3 स्थित टू-टैंक गार्डेन, थाना मोड़, चेकपोस्ट, चास सहित विभिन्न जगहों पर इस पर्व का उत्साह छाया रहा। इस बार शनि जयंती सहित विभिन्न विशेष योग में वट सावित्री पूजन पर रौनक देखते ही बन रही थी।

बीएसएल का ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर शुरू

बोकारो : बोकारो स्टील प्लान्ट के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर- 2023 का शुभारंभ हुआ। शिविर का उद्घाटन सेक्टर-4 स्थित मोहन कुमारमंगलम स्टेडियम में अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद ने किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक एनए सैफी व महाप्रबंधक एके अविनाश, वरीय प्रबंधक (क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं) एस. रजक समेत अन्य वरीय अधिकारी विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक बच्चे तथा अभिभावक उपस्थित थे। उद्घाटन के पश्चात श्री रजक ने बच्चों तथा अभिभावकों को 3 जून तक चलने वाली इस शिविर के विषय में विस्तृत जानकारी दी। शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए लगभग 478 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया है। बच्चों को 12 अलग-अलग खेलों के प्रशिक्षकों द्वारा शिविर के दौरान प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन खेलों में एथलेटिक्स, बैडमिन्टन, बास्केटबाल, क्रिकेट, फुटबाल, हैंडबाल, हॉकी, कबड्डी, खोखो, वालीबाल, शतरंज एवं तीरंदाजी शामिल हैं। इन खेलों के प्रशिक्षण अलग-अलग स्थानों पर दिए जाएंगे जहां समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर 3 जून तक चलेगा।

जदयू के कार्यकर्ता सम्मेलन में बनाई गई संघर्ष की रणनीति

बोकारो : नगर के सेक्टर- 2 स्थित कला केंद्र में जनता दल (यूनाइटेड) का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रदीप कुमार महतो ने की तथा संचालन गोपाल कुमार गुप्ता ने किया। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि खीरू महतो झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद एवं बिहार एमएलसी विजय कुमार सिंह सह झारखंड प्रदेश के सह प्रभारी एवं कोआपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष शामिल हुए। खीरू महतो ने कहा कि जदयू पूरे झारखंड के सभी जिलों में ग्रामीण स्तर तक कार्यकताओं को जगाने का काम करेगी। वहीं, जदयू के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व बियाडा चेयरमैन अशोक चौधरी ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के नाम पर जीतकर सत्ता में आने वाली भारतीय जनता पार्टी अमीरों को लाभ और गरीबों को लोभ देने वाली नीति पर कार्य कर रही है। 2014 वाले लोगों की 2024 में पुनः वापसी नहीं होगी।

डीवीसी ने स्वच्छता पखवाड़ा के तहत निकाली प्रभातफेरी

बोकारो थर्मल : डीवीसी बोकारो थर्मल में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत एचओपी एनके चौधरी के निर्देश पर डीजीएम बीजी होलकर के नेतृत्व में स्कूली बच्चों को लेकर स्वच्छता को लेकर प्रभातफेरी एवं जागरुकता अभियान का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी को डीजीएम ने स्थानीय स्वामी विवेकानंद फुटबॉल मैदान के समक्ष से झंडा दिखाकर रवाना किया गया। प्रभात फेरी में स्थानीय संत पॉल मार्डन स्कूल, वेटगे पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय आदि के बच्चे शामिल हुए। इसमें शामिल छोटे-छोटे बच्चे हाथों में तख्ती लिखे बैनर लेकर नारे लगा रहे थे। बच्चे राहगीरों, दुकानदारों एवं कॉलोनीवासियों से प्लास्टिक की बोतल एवं पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने, अपने घर एवं आसपास साफ-सफाई रखने, गंदगी नहीं फैलाने आदि के नारे लगा रहे थे।

60 प्रतिशत वोट लाकर विपक्षी गोलबंदी को ध्वस्त करेगी भाजपा : दीपक प्रकाश

सियासत... बोकारो में जिला कार्यसमिति की बैठक में 2024 के लोकसभा चुनाव को ले विचार-मंथन

संवाददाता

बोकारो : झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए विपक्षी पार्टियां एकजुट हो रही हैं, लेकिन भाजपा 55 से 60 प्रतिशत वोट लेकर विपक्षी गोलबंदी को ध्वस्त करेगी। झारखंड प्रदेश की सभी 14 लोकसभा क्षेत्रो पर जीत हासिल करेगी। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष जैनामोड़ स्थित होटल आर्यन के सभागार बोकारो भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की हर महत्वाकांक्षी योजना से गांव से लेकर शहर के लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं। हर घर नल योजना, आयुष्मान भारत, फ्री वैक्सीनेशन, लाडली योजना, किसान सम्मान निधि योजना, पीएम आवास, मुफ्त अनाज, महिलाओं के लिए कई योजना, युवाओं के लिए अग्निवीर, एमएसएमई के तहत स्वरोजगार योजना आदि ऐसे कई महत्वपूर्ण योजना लोगो को जोड़ा। मोदी सरकार के नेतृत्व में देश ही नहीं, विदेशों में अपनी मजबूत दावेदारी हमने पेश की। आज शक्तिशाली देशों में भारत की गिनती हो रही है। आज कई देश भारत से किसी भी मुद्दे पर सहायता मांगते हैं। जी20 मे भारत की अध्यक्षता इस बात को साबित करती है कि आज देश का वर्तमान व भविष्य किस दिशा में जा रहा है।

इसके पूर्व, मुख्य अतिथि श्री प्रकाश सहित पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी, धनबाद के सांसद पशुपतिनाथ सिंह, चंदनकियारी के विधायक अमर बाउरी, गिरिडीह के पूर्व सांसद रवींद्र पांडेय आदि ने पं. दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से बैठक की शुरूआत की। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष भरत यादव ने सभी का स्वागत किया। बैठक में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बूथ सशक्तिकरण, महाजनसंपर्क अभियान एवं आजीवन सहयोग निधि पर मंथन किया गया।

बैठक में पूर्व विधायक छत्रुराम महतो, योगेश्वर महतो बाटुल, प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी सहित ईश्वर प्रजापति, मुकुल ओझा, विनय सिंह, प्रह्लाद वर्णवाल, रोहितलाल सिंह, जगरनाथ राम, विनोद महतो, कुमार अमित, लक्ष्मण नायक, आरती राणा,सं जय त्यागी, दिलीप श्रीवास्तव, अनिल स्वर्णकार, अर्चना सिंह, लीला देवी, जयनारायण मरांडी, दशरथ महतो, अशोक कुमार पप्पू, इंद्रा झा, माथुर मंडल, विनय आनंद , विश्वनाथ दत्ता, महेंद्र राय, अतानु चौधरी, धीरज झा, नीरज कुमार, धर्मेंद्र महथा, किसान मोर्चा महामंत्री अर्जुन सिंह, शंकर रजक, महिला मोर्चा प्रभारी, ऋतुरानी सिंह, अर्चना सिंह, मुकेश राय, रामलाल सोरेन, फटीक दास, बिनोद महतो, तारा साह, चितरंजन साहू समेत जिला कार्यसमिति सदस्य, मंडल के अध्यक्ष, महामंत्री, जिला मोर्चा के अध्यक्ष महामंत्री शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन जयदेव राय तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन मनोज ठाकुर ने किया।

30 जून तक हरेक कार्यकर्ता पार्टी को दें समय : दिनेशानंद

बैठक को संबोधित करते हुए जनसंपर्क अभियान के प्रदेश संयोजक सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि लोकसभा चुनाव दस्तक दे रहा है। इसलिए, एक महीने 30 मई से 30 जून तक का समय एक-एक कार्यकर्ता को पार्टी के लिए देना होगा। इस कार्य में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर के कार्यकर्ता अभियान की सफलता के लिए घर घर अभियान चलाएंगे। धनबाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा मोदी सरकार के 9 वर्ष के कार्यकाल में कई ऐतिहासिक कार्य हुए। सर्जिकल स्ट्राइक, धारा 370 हटाना, कश्मीर में शांति बहाल, राम मंदिर निर्माण, नया सांसद भवन, वन रैंक वन पेंशन आदि कार्य हुए। चंदनकियारी विधायक अमर बाउरी ने कहा मोदी सरकार की हर योजना आज चंदनकियारी सहित सभी विधानसभा क्षेत्र में धरातल पर उतरकर कई परिवारों को लाभ मिला।

झारखंड के डॉ. जयंत को मिला फिल्म फेस्टिवल अवार्ड

सर्वश्रेष्ठ विट्रो रेटीना सर्जरी के लिए राष्ट्रीय विजेता घोषित

संवाददाता

रांची : झारखंड के जाने-माने युवा नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना एक्सपर्ट डॉ. जयंत कुमार ने कोच्चि में आयोजित ऑल इंडिया नेत्र सोसाइटी के 81वें वार्षिक सम्मेलन में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। डॉ. जयंत को सर्वश्रेष्ठ विट्रो रेटीना सर्जरी के लिए प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल अवार्ड का राष्ट्रीय विजेता घोषित किया गया है। उक्त वार्षिक सम्मेलन में देशभर के 9500 से ज्यादा नेत्ररोग विशेषज्ञ शामिल हुए, जिनमें डॉ. जयंत को यह ख्याति मिली।

डॉ. जयंत ने कहा कि एएसजी हॉस्पिटल रांची में रोगियों के कल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखता है।

यहां नेत्र चिकित्सा के लिए सर्वश्रेष्ठ और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इस प्रकार की उपलब्धि हमारे सभी चिकित्सा सहकर्मियों के सहयोग और यहां से ठीक होकर जानेवाले मरीजों की संतुष्टि का ही परिणाम है।

सहरसा और जयनगर से अब हर दिन इंटरसिटी, मिथिलावासियों को होगा लाभ

मधुबनी। कोसी, मिथिलांचल सहित अन्य क्षेत्र के लोगों की रेल सुविधाओं तथा रेलमार्ग के आवागमन का ध्यान रखने हुए रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। सहरसा और जयनगर से पटना के लिए चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन अब रोजाना चलगी। हाजीपुर जोन से भेजे गए प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए रेलवे बोर्ड ने सहरसा-राजेन्द्रनगर (13227/28) और जयनगर-दानापुर (13225/26) को रोज चलाने की हरी झंडी दे दी है। रेलवे बोर्ड के उप निदेशक कोचिंग राजेश कुमार ने सहरसा और जयनगर की इंटरसिटी एक्सप्रेस के फेरे बढ़ाकर रोज किये जाने के संबंध में 19 मई को एक पत्र जारी किया है। अभी रविवार के दिन इन ट्रेनों का परिचालन नहीं होता था। मालूम हो कि इंटरसिटी एक्सप्रेस में शुक्रवार से ही पहली बार थर्ड एसी इकोनॉमी कोच की सुविधा भी बहाल हो गई है, जिसमें यात्री सोकर भी सफर तय कर सकेंगे। इधर, सहरसा-सियालदह अप डाउन हाटे बाजारे एक्सप्रेस का ठहराव कोपरिया स्टेशन पर भी किया गया है। इस संबंध में जोन से भेजे गए प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। कोपरिया स्टेशन पर हाटे बाजारे के ठहराव की मांग लोग काफी समय से उठा रहे थे।

14 साल बाद भी स्टेडियम की बाट जोह रहा पुपरी

पुपरी। खेल और खिलाड़ियों के उत्थान की दिशा में पुपरी नीतीश सरकार की उपेक्षा का दंश लगातार पिछले डेढ़ दशक से झेल रहा है। इसके स्थानीय खिलाड़ियों तथा खेलजगत से जुड़े तमाम लोगों व खेलप्रेमियों में रोष है। विदित हो कि 03 फरवरी 2009 को अपनी पुपरी यात्रा के क्रम में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की मांग पर तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एलएम हाई स्कूल खेल मैदान में स्टेडियम निर्माण की घोषणा की थी। 14 सितंबर 2017 को विकास यात्रा के दौरान राघोपुर बखरी में उन्होंने पुपरी के राजबाग स्थित खेल मैदान में स्टेडियम निर्माण का शिलान्यास भी किया था। उस समय 34.04 करोड़ रुपए से स्टेडियम निर्माण का प्रस्ताव था। निर्माण की घोषणा हुई, स्वीकृति मिली, इस्टीमेट बना, प्रस्ताव गया, शिलान्यास भी हुआ, लेकिन स्टेडियम का निर्माण शुरू न हो सका। स्थानीय विधायक दिलीप राय के द्वारा इस संबंध में विधानसभा में प्रश्न भी उठाया गया था। उन्होंने युवाओं, खेल और खिलाड़ी के हित में इसका निर्माण जल्द शुरू करने की मांग भी की थी। तमाम कवायद के बाद भी 14 साल से ज्यादा बीत गए, फिर भी स्टेडियम निर्माण का कोई अता-पता नही हैं। सिटीजन फोरम आफ पुपरी ने इस पर नाराजगी जताते हुए सरकार से शीघ्र ठोस कदम उठाए जाने की मांग की है।

आनंद-उत्साह से करें चुनौतियों का सामना

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

आप सब के मानस में बार-बार यह प्रश्न उठता है कि हम जीवन कैसे जियें, जिससे आनंद से रह सकें? क्योंकि, व्यक्ति की सबसे बड़ी मनोकामना यही है कि जीवन में आनंद हो, सुख, शांति, धन, पद, लक्ष्मी हो, यह सब कामना का विस्तार है। पर मूल भाव आनंद ही है!

जी रहे हैं सब लोग, चल रहा है जीवन और चलता ही रहेगा, क्योंकि यह जीवन कालचक्र है। इसमें न कोई विराम है, न कोई विश्राम। अविरल यात्रा का नाम है हमारा यह जीवन। पर कभी-कभी किसी-किसी प्रज्ञावान जिज्ञासु, उत्सुक साधक-शिष्य के मन में यह विचार अवश्य उठता है कि यह जीवन आनंद के साथ कैसे जिया जाए और इसीलिए भक्ति, साधना, तपस्या, जप, तप, सब उपाय करता है, पर उसे अपने प्रश्नों के उत्तर प्रज्ञावान सद्गुरु से ही प्राप्त होते हैं, जो ज्ञान मार्ग की चेतना देकर उसे यह सिखाते हैं कि क्या श्रेष्ठ है और किस प्रकार यह जीवन यात्रा संपन्न की जाए?

हर शास्त्र में, हर किताब में बार-बार यही सिखाया गया कि जीवन असार है, दुख का भंडार है, इसमें सुख नहीं मिल सकता है, आनंद नहीं आ सकता है और आप लोगों ने भी अपने मानस में इसे भर दिया है। परीक्षा देने से पहले ही अपना रिजल्ट लिख दिया है।

जब ऐसी ही थकी हुई, हारी हुई बातों के बारे में बार-बार सोचते रहेंगे, विचारते रहेंगे तो क्या एक निराशावादी जीवन की यात्रा नहीं कर रहे हो?

एक बात बताओ! क्या ईश्वर ने हमें यह जीवन दुःख से जीने के लिए दिया है अथवा आनंद से जीने के लिए दिया है? जब हम कहते हैं कि मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है तो कृति का निमार्ता अपनी कृति को दुःख, संताप और पीड़ा कैसे दे सकता है? जितना हम अपनी संतान से प्रेम करते हैं, हमारा ईश्वर भी हमें उससे अधिक प्रेम करता है।

अब तो जीवन हमें मिल गया और इस जीवन में यदि हमने प्रयत्न नहीं किए, परीक्षा नहीं दी, कार्य नहीं किया तो इसमें आनंद, उत्साह और प्रेम की लहरें कैसे आएंगी? तब तो फिर यह जीवन जिएं और ना जिएं, के बराबर हो गया है।

जीवन में हमें सब कुछ प्राप्त हो सकता है और हो रहा है। हमें उत्साह और प्रेम से आनंद को लेना है। आगे बढ़कर लेना है।

हर समय डर, आशंका, भय, निराशा के पराजित भाव से चलते रहेंगे तो फिर प्रेम का, आनंद का अंकुरण विस्तार कैसे होगा?

एक बहुत विशेष बात है कि हमारा यह जीवन बीज से निकले हुए एक छोटे से पौधे के समान है और एक पौधे में पूर्ण आनंद तब आता है, जब उसमें फूल खिलते हैं, फल आते हैं। हमारा यह जीवन एक दीपक के समान है और दीपक की सार्थकता तब है, जब इसमें ज्योति जलाई जाए, तभी तो प्रकाश आएगा!

हमारा जीवन एक वाद्य यंत्र है, जब इसमें सुरों को सजाएंगे, तभी तो संगीत बजेगा।

जन्म हुआ, बहुत बड़ी घटना हुई, लेकिन इससे भी बड़ी घटना तब होगी, जब हम स्वयं अपने आपको जन्म देंगे और यह जन्म कैसे देंगे? अपनी भावनाओं के द्वारा, अपने विचारों के द्वारा, अपने कार्यों के द्वारा! नई-नई चुनौतियों को स्वीकार कर इस जीवन में बार-बार आनंद की लहरें उत्पन्न करनी है। यह क्रिया स्वयं को जन्म देने के समान है और यह दिखाएगा कौन? स्वयं को करनी है और यदि कोई संदेह है, शंका, निराशा आ जाती है जीवन के चक्रवात में, तो गुरु आपके साथ हैं!

गुरु आपका बार-बार हाथ पकड़ कर आनंद की लहरों पर जीवन का नर्तन अवश्य कराते हैं। ईश्वर का यह जीवन जीवन्त रहने के लिए है। इसे हरा-भरा, सजीव, जीवंत रखना, इसमें फल, फूल खिलाना ही तो 'आर्ट ऑफ लिविंग' है!

विचार करना है अपने सोचने, समझने, देखने, कार्य करने के तरीके पर। देखना है अपनी भावनाओं को, किस दिशा की ओर जा रही है? किन कारणों से तनाव हो रहा है? उन कारणों के मूल पर जाना है और उसका उपचार करना है। मन मानस को निराशात्मक भाव और विचारों से मुक्त करना है।

ध्यान, जप, तप, साधना तुम्हारे सहयोगी हैं। गुरु ज्ञान तुम्हारा पथ प्रदर्शक है। उसके लिए अपने मन को उच्चता की ओर ले जाना है। तनाव से विचार नहीं करना है, क्रिया करनी है, प्रतिक्रिया नहीं!

देखो भाई! ईश्वर की प्रत्येक रचना इस चराचर जगत में आनंद के साथ नर्तन कर रही है तो क्यों ना हम भी आनंद के साथ नर्तन करें, प्रसन्न रहें और अपने हृदय से, अपने मन से बार-बार अपने आप को कहते रहें कि आनंद से ईश्वर ने मेरी रचना की है, आनंद ही मेरा स्वभाव है और आनंद के लिए ही मुझे इस जीवन में रहना है!

सुख और दुःख के बारे में बहुत ग्रंथ पढ़ लिए तो आज एक बात याद रखो कि दुःख स्थाई नहीं होता है! मूल मंत्र है, यह भी चला जाएगा। कोई भी विपरीत स्थिति आए तो मन में बोलो कि यह भी चला जाएगा और वास्तव में चला ही जाता है।

जब आनंद और उत्साह के साथ किसी चुनौती को स्वीकार करते हो तो बाधा बहुत छोटी हो जाती है और आप बड़े हो जाते हो। यह सोचो कि ईश्वर तो एक सागर हैं और हम ईश्वर के सागर की लहरें हैं। अब लहरों से मिलकर सागर बना है और सागर लहरों के लिए बना है, दोनों ही एक दूसरे से संयुक्त हैं, जहां सागर है, वहां लहरें हैं और जहां लहरें हैं, वहां सागर है।

गुरु भी भीतर हैं, इष्ट भी भीतर हैं, परमात्मा भी भीतर हैं, खोजना है तो अपने भीतर खोजना है! अपने भीतर की यात्रा करनी है, अपने भीतर ही परमात्मा का विशाल आनंद साम्राज्य है। क्योंकि, उसी परमात्मा की दिव्यतम कृति हैं हम। अपने निर्माणकर्ता को प्रेम करो, परमात्मा से प्रेम करो और उतना ही प्रेम परमात्मा के निर्माण स्वयं, अपने आप से भी करो!

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

कब्ज की परेशानी से जूझ रहे हैं, तो अपनाएं ये उपाय

कब्ज यानी कि पेट का साफ न होना या कह लें कि शौच ठीक तरह से न हो पाना। ज्यादातर लोगों को कभी न कभी कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ा होगा। कब्ज, जिसे अंग्रेजी में कॉन्स्टिपेशन कहा जाता है, होने पर कई दिनों तक लगातार पेट साफ नहीं रहता, इस वजह से पूरा दिन बहुत असहज और भारीपन महसूस होता है। बिना कुछ खाए या भूख लगने पर भी ऐसा महसूस होता है, मानो आपका पेट भरा हुआ हो।

यदि आप कब्ज की परेशानी से जूझ रहे हैं, तो आइए जानते हैं इससे निजात पाने के कुछ आसान से उपाय -

1. कब्ज होने के कारण में गलत खानपान, ठीक समय पर शौच न जाना, व्यायाम न करना और शारीरिक काम न होना शामिल हैं।
2. इस समस्या से निजात पाने के लिए आप चोकर समेत आटे की रोटी खाएं और मीठा दूध पियें।
3. शक्कर-गुड़ प्रायः पेट साफ रखते हैं, इसलिए खाने के बाद इसका सेवन करें।
4. सब्जियों में पत्ती समेत मूली, काली तोरई, घीया, बैंगन, गाजर, परवल, पपीता, टमाटर आदि खाएं।

5. दालों का सेवन छिल्के समेत ही करें।
6. अगर दवा की जरूरत हो तो थोड़ा-सा खाने का सोडा पानी में घोलकर पी जाएं तो पेट हल्का रहेगा और शौच भी।
7. इमली में गुड़ डालकर मीठी चटनी बनाएं और इसका सेवन करें। इससे पेट साफ रहेगा।
8. भोजन के साथ सलाद में नमक डले टमाटर जरूर लें। नमक भी पेट साफ रखता है। कभी-कभी थोड़ा-सा पंचसकार चूर्ण भी ले लें।
9. भोजन के बाद सौंफ-मिस्री चबाने से भी पेट ठीक रहता है।
10. आधिक कब्ज होने पर त्रिफला, अभयारिष्ट बहुत अच्छे विकल्प है। इनसे पेट हल्का हो जाता है।
11. रात को सोने से पहले गुनगुना दूध पी कर सोएं।
12. अमरूद, पका हुआ केला, बेर, परवल, बैंगन, पपीता, अंगूर, अंजीर, आलू बुखारा, मुनक्का, आड़ू, उन्नाभ आदि का सेवन करें, कब्ज दूर रहेगा।

(साभार : जीवन मंत्र)

अनुपयोगी चीजों को काम के लायक बनाने की पहल

बीएसएल में 'कैश फ्रॉम ट्रैश' अभियान के तहत सामानों की पहली खेप रवाना

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में अनुपयोगी चीजों को काम के लायक बनाने की पहल के तहत कैश फ्रॉम ट्रैश एट स्टील स्टोर्स के अभियान शुरू किया गया। इसके तहत अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अमिताभ श्रीवास्तव द्वारा प्रोजेक्ट यार्ड में प्रोजेक्ट के बचे हुए सामानों की पहली खेप एक एक ट्रेलर के माध्यम से सीओ एव सीसी विभाग को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (परियोजनाएं) एन रे, मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एवं सीसी) राकेश कुमार सहित सामग्री प्रबंधन तथा सीओ एवं सीसी विभाग के अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बोकारो स्टील प्लांट के स्टील स्टोर्स के प्रोजेक्ट यार्ड में काफी

सामग्री वर्षों से पडी थी। इनमे से कई सामग्रियों का लिंक एसएपी प्रणाली में नहीं था। अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अमिताभ श्रीवास्तव की पहल पर इन सामानों को उपयोग में लाने के लिए स्टोर्स की टीम ने कैश फ्रॉम ट्रैश एट स्टील स्टोर्स अभियान को शुरू किया। टीम स्टोर्स ने इन सभी बची, अप्रयुक्त व बेकार सामग्री का या तो उपयोग करने या बेचने का निर्णय लिया। इसके लिए टीम स्टोर्स ने कड़ी मेहनत के साथ इन बचे हुए, जंक सामग्रियों की भौतिक रूप से पहचान की, उन्हें लेबल किया और अंत में उन्हें अपनी एसएपी पहचान के साथ लिंक किया। स्टोर्स की टीम द्वारा तैयार की गई इन वस्तुओं की सूची प्रोजेक्ट्स की टीम को प्रदान की गई और स्टोर्स, प्रोजेक्ट्स और ईआरपी टीमों के बीच काफी विचार-मंथन के बाद बोकारो स्टील प्लांट के सभी इच्छुक उपयोगकताओं को इन सामानों को जारी करने के लिए एसएपी में एक प्रणाली विकसित की गई।

बच्चों को बास्केटबॉल के दांव-पेंच मुफ्त सिखा रहा संघ

संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ की ओर से 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बच्चों को बॉस्केटबॉल के दांव-पेंच मुफ्त सिखाए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण शिविर 15 मई से 30 मई तक आयोजित की जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान आज बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ के वरीय उपाध्यक्ष राम लखन मिस्त्री, सचिव संजीव कुमार ने बच्चों से मुलाकात की और शिविर की विशेषता बताते हुए कहा कि शिविर के दौरान बच्चे ज्यादा एकाग्रता के साथ अपनी प्रतिभा को निखारते है। शिविर में बच्चे बास्केटबॉल की तकनीक को बारीकी से सिख रहे है जैसे ड्रिबल, पासिंग, शूटिंग एवं गेम खेलना अन्य तकनीक सीख रहे हैं। शिविर में प्रशिक्षण के दौरान बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा सामने आती है। ज्ञात हो कि बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ के द्वारा यह 15 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

प्रशिक्षक हारून अंसारी बच्चों का उचित मार्गदर्शन कर रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर में बच्चों के लिए प्रत्येक दिन जलपान की व्यवस्था सीनियर खिलाड़ी, अभिभावकों एवं संघ के सदस्यों द्वारा की जा रही है। इस अवसर पर रवि रंजन, सुधीर, विजय सहित कई अभिभावक उपस्थित रहे। संघ के संरक्षक प्रकाश सिंह, अध्यक्ष राम नारायण पंडित, विजय मिंज, बिनोद कुमार, निखिल ओझा, सुधीर कुमार, मनोज दुबे ने सभी को ढेरों शुभकामनाएं दीं।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में बारिश होती है
बारिश जंगल को धोती है
पत्ता-पत्ता धुल निखरा है
जंगल हँसता हुआ खड़ा है
बारिश के मौसम में बढ़कर
जंगल लगता नव-विवाहिता नार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
लाल सुर्ख है रंग पलाश का
पीला-पीला अमलतास का
श्वेत, बैंगनी और नीला है
हर कोना वन रंगीला है
'गुन-गुन' कर मकरंद जुटाती-
मधुमक्खियाँ. हैं जंगल गुंजार...जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

क्यों 'विलेन' बनना चाहते हैं वॉर्नर

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर की इच्छा विलेन बनने की है। चौंकिए मत, सचमुच का विलेन नहीं, फिल्मी विलेन वह बनना चाहते हैं। उनका मानना है कि वो तेलुगू फिल्म में विलेन का रोल निभा सकते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि वो दक्षिण भारतीय फिल्म के सुपरस्टार महेश बाबू, अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंधाना के साथ काम करना पसंद करेंगे। वो कहते हैं, 'मैं विलेन बनूंगा। मुझे फिल्म में बुरा आदमी बनना है क्योंकि मेरा स्वभाव ही ऐसा है।' वॉर्नर ने सोशल मीडिया पर उनकी शॉर्ट वीडियो की कहानी भी बताई कि कैसे उन्होंने सबसे पहले वीडियो बनाना शुरू किया। वो बताते हैं, 'मुझे शुरूआत में कुछ नहीं पता था, लेकिन लॉकडाउन की वजह से मैंने वीडियो बनाना शुरू किया। एक भारतीय फैन ने मुझसे हिंदी गाने पर वीडियो बनाने की मांग की। उस वीडियो के बाद मेरे पास कई मांग आने लगी और जल्द ही मैं सोशल मीडिया पर फेमस हो गया।'

पेज- एक का शेष

बरस रहे ...

रूमाल या गमछा से ढंककर रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। असहजता महसूस हो तो छांव देखकर थोड़ी देर के लिए आराम कर लें और पानी पीएं। दिहाड़ी मजदूरों के लिए मौसम विभाग की ओर से सलाह दी गई है कि व 11 से शाम चार बजे तक सीधी धूप से बचें। कठिन कार्यों को दिन के ठंडे समय में निर्धारित करें। बाहरी गतिविधियों के लिए विश्राम जरूर करें। मवेशियों को सुबह 11 से चार बजे के बीच घर के अंदर ही रखें। पौधे व फसलों की सिंचाई करें। हीट स्ट्रोक, हीट रैश जैसे कमजोरी के लक्षणों को पहचानें। जैसे कि चक्कर आना, सिर दर्द, पसीना और दौरे आदि आने पर चिकित्सक की सलाह लें। अगर आप बेहोश या बीमार महसूस करते हैं तो भी तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

सरगम के तरानों ने बदल दी...

कला के क्षेत्र में अपना करियर संवारना चाहता था, जिसमें उसकी संगीतकला आधार बनी। उसने बताया कि जब वह दूसरी कक्षा में था, उस वक्त लगभग आठ साल की उम्र से ही उसने संगीत सीखना शुरू कर दिया था। बाद में प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद से शास्त्रीय संगीत की डिग्री हासिल की। इस बीच गीत-कविता लिखने की आदत भी उसकी जारी रही। उसने खुद कई गीत लिखे और खुद ही उसे धुन व हर तरह का संगीत दिया। आज 20 से अधिक उसके गीतों को कॉपीराइट मिल चुके हैं। जबकि, 40 से अधिक गीत वह तैयार कर चुका है। विभिन्न अभियानों, विज्ञापनों, कारपोरेट कंपनियों और कलाकारों के लिए वह संगीत दे चुका है। वह खुद भी गाता रहा है।

यूट्यूब से सीखे साउंड इंजीनियरिंग और मिक्सिंग के गुर, 3-डी डिजाइनिंग में महारथ : मयंक ने यूट्यूब से साउंड इंजीनियरिंग और मिक्सिंग के गुर सीखे। गीतों को क्लासिकल टच देकर ताल और लय में ढालने के बाद उसे अलग-अलग साउंडट्रैक के लेयर में मिक्स कर आधुनिक समयानुसार बेहद कर्णप्रिय बनाने में उसे महारथ हासिल है। एक-एक गीत तैयार करने के उसे 25 हजार रुपए तक मिले हैं। अब उसके डिजाइनिंग कौशल की बात करें, तो इसमें भी उसकी प्रतिभा सराहनीय है। किसी भी स्थान को देखने के बाद उसे कागज पर 3-डी (त्रिविमिय) स्वरूप में वह देखते ही देखते उकेर देता है। उसके डिजाइन इतने पसंद किए गए कि इससे संबंधित देश की लब्ध-प्रतिष्ठित तीन-तीन परीक्षाओं में उसे सफलता मिली। विजुअल कम्युनिकेशन डिजाइनिंग में उसे विशेष रुचि है और इस क्षेत्र में आगे चलकर वह पूंजी जमा कर अपना स्टार्ट-अप शुरू करना चाहता है।

डीपीएस बोकारो से प्रतिभा को मिला एक्सपोजर

मयंक ने बताया कि उसने जो सपने देखे थे और जो इच्छाएं थीं, उसे नया आयाम देने में डीपीएस बोकारो की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के यहां के वातावरण में बच्चों में उनकी इच्छा के अनुरूप बहुआयामी प्रतिभा का विकास उसके भी काम आया। डिजाइन परीक्षाओं में सफलता के बाद उसने प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार से मिलकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। प्राचार्य ने उसे बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। एक सवाल के जवाब में मयंक ने कहा कि केवल मेडिकल और इंजीनियरिंग तक ही करियर सीमित नहीं है। अगर हुनर और लगन हो, तो विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पैकेज वाले करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। डिजाइनिंग, आर्ट और क्रिएटिविटी के क्षेत्र में भी भविष्य संवारा जा सकता है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

विज्ञान-प्रौद्योगिकी और नवाचार में जुड़ेंगे नए आयाम

भारत ने शंघाई सहयोग संगठन के देशों से सहयोग बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का किया आह्वान

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); प्रधानमन्त्री कार्यालय (पीएमओ), कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के देशों से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया है। मेजबान देश भारत के प्रतिनिधि मंत्री के रूप में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सदस्य देशों के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मंत्रालयों और एजेंसियों के प्रमुखों के सातवें सत्र को संबोधित करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत यूरेशियन क्षेत्र की उभरती चुनौतियों का संयुक्त रूप से समाधान करने के लिए एससीओ के अन्य सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। मंत्री महोदय ने एससीओ सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए प्रत्येक सदस्य राज्य की भागीदारी और भारी प्रयासों की सराहना की। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि एससीओ अपने अस्तित्व में आने के पिछले दो दशकों में यूरेशियन क्षेत्र में बहुपक्षीय सहयोग को बदलने में एक महत्वपूर्ण दल के रूप में उभरा है और भारत इस क्षेत्र में इस महत्वपूर्ण सहयोग का लाभ उठाने के लिए एससीओ को विशेष महत्व देता है। मंत्री ने उल्लेख किया कि एससीओ देशों को अपने यहां भोजन सुनिश्चित करने, जलवायु परिवर्तन के कारण उभरती चुनौतियों, जैव विविधता को हानि, पानी की कमी, सस्ती स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरणीय मुद्दों और अपने लोगों के लिए ऊर्जा तक पहुंच जैसी समान चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए यह जरूरी है कि हम सस्ते वैज्ञानिक समाधानों को खोजने के लिए आपस में हाथ मिलाएं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने अर्थव्यवस्था के वैश्विक परिदृश्य को बदल दिया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने वैश्विक आर्थिक सुधार में बड़ी भूमिका निभाई है। एससीओ के वैज्ञानिक समुदाय को सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के लिए प्रौद्योगिकी पर आधारित समाधान के क्षेत्र में सहयोग करने की आवश्यकता है।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सस्ती स्वास्थ्य देखभाल के लिए अभिनव हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित किया है और 2047 तक भारत का लक्ष्य चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में विश्व के शीर्ष बाजारों में से एक बनना है। भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मंत्र 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान' के साथ आगे बढ़ रहा है, जो अनिवार्य रूप से भारत को अनुसंधान और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के समन्वयन में विश्वास करता है।

डॉ. सिंह ने कहा कि पिछले सात वर्षों के दौरान भारत का अनुसंधान एवं विकास पर खर्च लगभग दोगुना हो गया है। इस वर्ष के बजट में, सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के लिए लगभग 16,360 करोड़ रुपये (अर्थात 2.20 बिलियन अमेरिकी डॉलर) आवंटित किए हैं। इसके अलावा, भारत सरकार ने हाल ही में आधारभूत अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के अलावा अनुप्रयोगात्मक (ट्रांसलेशनल) और अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त धन के साथ एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) की स्थापना की शुरुआत की है।

अनुसंधान और नवाचार की दिशा में लगातार जोर देने के बाद, भारत नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ) के डेटाबेस के अनुसार वैज्ञानिक प्रकाशन में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। पिछले 8 वर्षों के दौरान, पंजीकृत स्टार्ट-अप्स की संख्या मात्र 400 से बढ़कर आश्चर्यजनक रूप से 97,000 हो गई है। मंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा प्रणाली के आकार में, विद्या वाचस्पति अर्थात पीएचडी की संख्या के मामले के साथ ही स्टार्ट-अप की संख्या के संदर्भ में भी यह तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

डॉ. सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में विज्ञान के उभरते क्षेत्रों में वैज्ञानिक नेतृत्व का निर्माण करने के लिए कई पहलें जैसे साइबर भौतिक प्रणालियों (फिजिकल सिस्टम) पर राष्ट्रीय मिशन; क्वांटम कम्प्यूटिंग; सुपरकंप्यूटिंग, गहन महासागर अभियान (डीप ओशन मिशन) शुरू किए हैं।

मंत्री ने दोहराया कि पर्यावरण और जलवायु के मुद्दों पर भारत की प्रतिबद्धता दृढ़ है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन की शुरूआत और ऐसी ही कई पहलों के साथ भारत 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन (नेट जीरो इमीशन) प्राप्त करने और 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन सीओपी 26 में अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने संतुलित और एकीकृत तरीके से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के तीनों आयामों में मिलकर काम करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्रों के सभी हिस्सों में हमारे सभी नागरिक विज्ञान के लाभों का पूरी तरह से आनंद लेने के योग्य हैं। मंत्री ने सतत विकास और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने एवं इसके प्रभावी कार्यान्वयन के उद्देश्य से प्रबलित प्रयासों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तंत्र के कार्यान्वयन के महत्व को रेखांकित किया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के इस प्रमुख क्षेत्र में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने की हमेशा गहरी इच्छा व्यक्त की है जो हमारे सभी लोगों के कल्याण और प्रगति को सीधे प्रभावित करता है।

मंत्री ने यह कहकर अपने सम्बोधन का समापन किया कि भारत एससीओ सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए प्रत्येक सदस्य देश की भागीदारी और जबरदस्त प्रयासों की पूरे मन से सराहना करता है। उन्होंने कहा कि भारत यूरेशियन क्षेत्र के भीतर सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए अभिनव और समावेशी समाधान विकसित करने में एससीओ के प्रयासों का समर्थन करेगा। भारत इन पहलों पर आम सहमति तक पहुंचने के लिए सभी सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने की आशा रखता है।

यह उल्लेख करना उचित है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) अपने अस्तित्व में आने के पिछले दो दशकों में यूरेशियन क्षेत्र में एक प्रमुख क्षेत्रीय संगठन के रूप में उभरा है, और भारत इस क्षेत्र में बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने में एससीओ को विशेष महत्व देता है। शंघाई सहयोग संगठन के अंतर्गत विश्व की जनसंख्या का लगभग 42 प्रतिशत, इसके भूमि क्षेत्र का 22 प्रतिशत, और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 प्रतिशत का योगदान शामिल है।